AGRICULTURE UNIVERSITY,
JODHPUR
JODHPUR 342304, Rajasthan, India
कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर
जोधपुर 342304, राजस्थान, भारत

Telefax
0291 2570710(O)
0291-2570711
E-mail:
vcunivag@gmail.com

डॉ मोतीलाल मेहरिया,
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

दिनांक 14.09.2020

प्रेस नोट

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर ने हर्ष एवं उल्लास से मनाया अष्टम स्थापना दिवस

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर का अष्टम स्थापना दिवस का सामारोह आज दिनांक 14.09.2020 को कृषि अनुसंधान केन्द्र के सभागार कक्ष में आयोजित किया गया । इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री महेन्द्र सिंह बिश्नोई, विधायक (लूणी) एवं सदस्य प्रबंध मण्डल, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर थे एवं डॉ संजीव मिश्रा, निदेशक, अखिल भारतीय आर्युविज्ञान संस्थान (एम्स), जोधपुर और प्रो. अभिमन्यु कुमार, कुलपति, सर्वपल्ली डॉ राधाकृष्णन्न राजस्थान आर्युवेद विश्वविद्यालय, जोधपुर विशिष्ट अतिथि थे तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रौ. बी.आर. चौधरी, कुलपति, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर ने की। सर्वप्रथम कार्यक्रम का शुभारम्भ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्जवलित कर सरस्वती वंदना एवं विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई।

समारोह को सम्बोधित करते हुए श्री महेन्द्र सिंह बिश्नोई माननीय विधायक लूणी ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर सुपरफूड फसलों में नवाचार के साथ अनुसंधान कार्य कर रहा है तथा चीया, किनोंवा, राजगीरा आदि सुपरफूड फसलों को वृहद् स्तर पर पैदा करने वाला प्रदेश का एकमात्र विश्वविद्यालय है। विश्वविद्यालय ने गत वर्षो में बाजरा कि संकर किस्में विकसित एमपीएमएच 17 व एमपीएमएच 21 विकसित कर किसानो को उपलब्ध कराई है जिससे पश्चिमी राजस्थान के किसानों की आय वृद्वि के साथ आत्मनिर्भर बनने में सहायक हुई है। श्री बिश्नोई ने कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के वैज्ञानिकों का आह्‌वान करते हुऐ जल संरक्षण की तकनीक जैसे बूंद–बूंद सिंचाई पद्वति को बढ़ावा देने और किसानों तक पहुॅचाने की आवश्यकता बताई।

इस अवसर पर डॉ संजीव मिश्रा, निदेशक, अखिल भारतीय आर्युविज्ञान संस्थान (एम्स) ने अपने सम्बोधन में कहा कि यह हमारे देश के किसानों और कृषि वैज्ञानिकों की मेहनत का ही परिणाम है कि स्वतंत्रता के समय जो हम खाद्यान्न हेतु दूसरे देशों पर निर्भर रहते थे आज हम खाद्यान्नों के क्षेत्र में न केवल आत्मनिर्भर हो गये है बल्कि निर्यात कर विदेशी मुद्रा अर्जित भी कर रहे है। वर्तमान में उर्वरकों एवं रसायनों के अत्यधित उपयोग से पैदा होने वाली गंभीर बीमारियॉ जैसे कैंसर, जन्मजात विकृति इन्ही उर्वरकों और रसायानों के अत्यधिक उपयोग का परिणाम है। जिसे कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के वैज्ञानिकों को किसानों को न्यायोचित मात्रा में उपयोग की सलाह देनी चाहिये।

प्रो. अभिमन्यु कुमार, माननीय कुलपति, सर्वपल्ली डॉ राधाकृष्णन्न राजस्थान आर्युवेद विश्वविद्यालय, जोधपुर ने बताया कि कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के दृढ़ संकल्प को देखते हुऐ आर्युवेदिक विश्वविद्यालय ने एक समझौता हस्ताक्षर किया हैं कि जिसके अंतर्गत औषधीय पौधों की व्यवसायिक खेती को बढ़ावा मिलेगा और किसानों की आय वृद्वि होगी।

प्रौ. बी.आर. चौधरी, माननीय कुलपति, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर ने अपने अध्यक्षीय उद्‌बोधन में कहा कि राज्य सरकार ने विश्वविद्यालय को दो नये संकायों कृषि अभियांत्रिकी एवं डेयरी प्रौद्योगिकी की सौगात दी है, इससे पूर्व प्रदेश में मात्र महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर में ही इस प्रकार के संकाय संचालित हो रहे है।

विश्वविद्यालय की विभिन्न ईकाईयों द्वारा दलहनीय फसलों का उन्नत किस्मों का 1000 क्विंटल से अधिक बीज उत्पादन कर किसानों को उपलब्ध कराया। राज्य सरकार द्वारा कृषि महाविद्यालय जोधपुर एवं सुमेरपूर के आधारभूत विकास हेतु 7.8 करोड़ रू आंवटित किये। विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अंतर्गत भिन्न भिन्न योजनाओं के अंतर्गत 8.5 करोड रू. प्रदान किये। इसके अतिरिक्त इस योजना के अंतर्गत छः प्रोजेक्ट स्वीकृती हेतु भेजे गये है जो करीब 10.0 करोड़ के है। डॉ चौधरी ने बताया कि कोविड 19 महामारी के दौरान एक मात्र कृषि क्षेत्र ही ऐसा क्षेत्र है जहां जीडीपी दर में कोई गिरावट न होकर बढ़ोतरी दर्ज की है।

अधिष्ठाता एवं संकायध्यक्ष प्रौ. भारत सिंह भीमावत ने विश्वविद्यालय एवं (NAHEP) के एक वर्ष की प्रगति रिपोट प्रस्तुत की। जिसमें बताया कि कृषि संकाय की तीनों ईकाईयों में स्मार्ट कक्षाओं के द्वारा वर्चूअल अध्यापन कार्य किया जा रहा है। एनएएचईपी परियोजना के तहत् 32 प्रायोगिक मेन्यूअल व अध्यापन सामग्री विद्यार्थियों को ऑनलाईन उपलब्ध करा कर अध्यापन कार्य अनवरत जारी रखा है। इस परियोजना के मार्फत विश्वविद्यालय को सभी आधारभूत सुविधाऐं सृजित की गई है जिससे विश्वविद्यालय को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली से प्रत्यायन (Accreditation) जारी रखने में सुलभता होगी।

इस अवसर पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति का प्रस्तुतीकरण डॉ उमा नाथ शुक्ला, सहायक प्राध्यापक, कृषि महाविद्यालय, जोधपुर द्वारा किया गया।

कृषि से सम्बन्धित उल्लेखनीय कार्य करने वाले किसानों को इस अवसर पर प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। जिनमें श्री मोहन राम सारण गॉव दईकड़ा, जोधपुर ने विश्वविद्यालय द्वारा विकसित उन्नत किस्मों को किसानों तक पहुॅचाने में उत्कृष्ट कार्य किये है। श्री गोविन्द सारी, तहसील रोहट, जिला पाली ने बीज उत्पादन एवं कृषक उत्पादक संस्थान के क्षेत्र में, श्री रविन्द्र काबरा, कुचामन हाउस, मेड़ती गेट, जोधपुर ने सजावटी बागवानी के क्षेत्र में, श्री ललित देवड़ा स्वास्तिक नर्सरी फार्म, उझीर सागर, मंडोर–जोधपुर ने नर्सरी प्रबंधन के क्षेत्र में, श्री रतनलाल डागा, गॉव मथानिया, तहसील तिंवरी, जिला जोधपुर ने जैविक खेती के प्रोत्साहन एवं विपणन के क्षेत्र में, श्री हेमन्द्र सिंह उदावत, ग्राम लोटोटी, तहसील जैतारण, जिला पाली ने ड्रेगन फल उत्पादन एवं जैविक खेती के प्रोत्साहन के क्षेत्र में, श्री अशोक जॉगु, ग्राम व पोस्ट अलाया, जिला नागौर ने जल संरक्षण, उन्नत कृषि एवं घी उत्पादन के क्षेत्र में, श्री सादुला राम सियोल ग्राम आलमसर, तहसील धनउ, जिला बाड़मेर ने उद्यानिकी विशेषतः खजुर उत्पादन के क्षेत्र में, श्री संतोष बिश्नोई ग्राम गोदारों का तला, तहसील गुड़ामालानी, जिला बाड़मेर ने समन्वित कृषि प्रणाली के क्षेत्र में, श्री मुकेश माली, गॉव पोसालिया जिला सिरोही ने सघन सब्जी एवं फसल उत्पादन के क्षेत्र में, श्री चिमन लाल, गॉव फुला बाई का खेड़ा जिला सिरोही ने सौंफ, सब्जी, पपीता, सोलर एवं बूंद बूंद सिंचाई प्रबंधन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य किये है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विकास हेतु उल्लेखनीय कार्य करने वाले 10 वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की प्रथम ऑनलाईन द्विमासिक पत्रिका मरूधरा कृषि पत्रिका का विमोचन किया गया जिसके द्वारा किसान भाईयों को खेती की नई तकनीकीयों के बारे में जानकारी प्राप्त हो सकेगी जिसे वे अपने खेतो पर नवाचार कर सकेगें। इस अवसर पर

विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा लिखित प्रायोगिक मैन्यूअलों, अनुसंधान फोल्डर, MIDH Status Report 2014-19 आदि का भी विमोचन किया गया।

श्री अरूण कुमार पुरोहित, कुलसचिव, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर ने सभी अतिथियों, किसानों, कर्मचारियों एवं पत्रकारों का इस अवसर पर पधारने हेतु धन्यवाद ज्ञापित किया तथा कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु आयोजकों की भूरी भूरी प्रशंसा की। कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ बनवारी लाल एवं डॉ राजूलाल भारद्वाज ने किया। अंत में राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। अंत में सभी अतिथियों ने वृक्षारोपण कर प्रक्षेत्र फार्म पर चल रहे अनुसंधान कार्यो व बीज उत्पादन कार्यक्रम का अवलोकन भी किया।

(डॉ एम एल मेहरिया)